दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–2)

निर्धारित समयः तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/23 (J-A)–M–**GSM (P-III)-2302**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: भानु प्रताप सिंह

Mobile Number: ____________

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: ____________

Center & Date: Online. 1Aug-2023

UPSC Roll No. (If allotted): 0213185

115.5 / 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा हिन्दी और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (*To be filled by Evaluator only*)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	4.0	11.	
2.	4.5	12.	6.5
3.	4.0	13.	7.0
4.		14.	7.5
5.	5.0	15.	6.0
6.	4.5	16.	7.5
7.	4.5	17.	7.0
8.	5.0	18.	7.5
9.	5.0	19.	7.5
10.	4.5	20.	7.0
Grand Total (सकल योग)			115.5

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

⇒ आपकी विषय वस्तु पर समझ अच्छी है

⇒ भूमिका एवं निष्कर्ष को थोड़ा प्रभावी बना सकते है

⇒ उत्तर को लिखते समय अपनी बातों को स्पष्ट करते हेतु यथासंभव तथ्य, आंकडे एवं उदाहरण का उल्लेख करना बेहतर होगा।

⇒ प्रश्न के संदर्भ में तथ्यों को व्यवस्थित तथा प्रभावशाली लिखने का प्रयास करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. "अध्यादेश का पुनः प्रख्यापन, संविधान के साथ एक छल तथा लोकतांत्रिक विधायी प्रक्रिया का विध्वंस है।" प्रमाणित कीजिये। (150 शब्द) 10

"Repromulgation of Ordinance is a fraud on the constitution and a subversion of democratic legislative process". Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संविधान का अनु० 123 राष्ट्रपति को और अनु० 213 राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति देते हैं।

अध्यादेश
- ~~किसी~~ 'अनिवार्य' 'जरूरी' परिस्थिति में जारी करने का अधिकार
- इसका प्रभाव सामान्य कानून की तरह।
- संसद के सत्र में न होने की स्थिति में जारी किया जा सकता।

अध्यादेश यदि बार-बार प्रख्यापित किया जाता है तो संविधान के साथ छल और विधायी प्रक्रिया का विध्वंस है क्योंकि:

1. DC वाधवा वाद: SC → बार-बार अध्यादेश प्रख्यापन असंवैधानिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. शक्ति पृथक्करण सिद्धांत का उल्लंघन'
(राष्ट्रपति, राज्यपाल कार्यपालक शक्तियाँ होती हैं।

सरकार द्वारा अध्यादेश क्यों लाया जाता है

- विपक्ष के समक्ष चर्चा से बचने का उद्देश्य
- तत्काल आवश्यकता जैसे: तीन तलाक का अध्यादेश
- संसद में बहुमत न होना (राज्य सभा में)
- विधायी प्रक्रिया को बाईपास करना।

आगे की राह: ① अनु॰ 123, 213 में वर्णित 'परिस्थितियाँ' शब्द को परिभाषित करना।

② समुचित विधायी प्रक्रिया का अनुपालन (प्रस्ताव → चर्चा → बिल पास।

निष्कर्ष: संसदीय लोकतंत्र में कानून निर्माण का कार्य संसद का है अतः कार्यपालकीय शक्तियों प्रयोग समुचित रूप में होना चाहिए।

4/10

→ अध्यादेश के मुद्दे प्रभावी के तथ्यों का थोड़ा विस्तार कर स्पष्ट करना बेहतर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "मूल संरचना का सिद्धांत आवश्यक और वांछनीय दोनों है।" कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Doctrine of basic structure is both necessary and desirable." Critically analyze the statement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूलसंरचना का सिद्धांत उच्चतम न्यायालय द्वारा केशवानन्द भारती वाद (1973) में दिया गया था।

संविधान की मूल संरचना में शामिल तत्व
- संघीय लोकतन्त्र
- देश का धर्मनिरपेक्ष चरित्र।
- स्वतंत्र न्यायपालिका
- संविधान की सर्वोच्चता
- संसद की सीमित संशोधन शक्ति
- आदि

आवश्यकता और वांछनीयता :

① लोकतन्त्र की रक्षा : यथा: 24वें संविधान संशोधन में लाए गये परिवर्तन
↳ यथा: संसद की असीमित संशोधन शक्ति
यथा: राष्ट्रपति / राज्यपाल की आजीवन न्यायिक सुरक्षा / आदि।

② देश को सर्वसत्तावादी होने बचाया। यथा: 1970-18 की घटनाएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. संविधान की रक्षा के लिए आवश्यक; यथा: मूल अधिकारों की संशोधनीयता में लचीला बनाया।
4. संवैधानिक सर्वोच्चता बनाए रखना।
यद्यपि मूल ढाँचे के सिद्धांत में निम्नलिखित प्रश्नचिह्न उठते हैं, यथा:

1: संविधान में इसका कोई वर्णन नहीं यह न्यायपालिका द्वारा निर्मित है,

2. मनमानी व्याख्या: यथा: न्यायपालिका ने सूची नहीं दी - क्या मूल ढाँचे में, क्या नहीं।

3. लोगों द्वारा चुनी हुई सरकार की शक्तियों पर न्यायिक नियंत्रण (न्यायिक सक्रियता)

वस्तुतः मूल ढाँचे की अवधारणा ने संविधान को लचीला, स्थायी और लोकतांत्रिक बनाया। साथ ही उच्चतम न्यायालय द्वारा व्याख्याओं के लिए खोला है यथा: मिनर्वा मिल्स वाद → मूल अधिकार व नीति निदेशक तत्वों में संतुलन की अवधारणा

4.5/10

दोनों लगभग एक जैसे ही तथ्य हैं अतः दोहराव से बचें

मॉडल उत्तर की सहायता से अन्य आलोचना को शामिल कर सकते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रासंगिकता तथा भारत के आर्थिक एवं सामरिक हितों के संवर्द्धन में इनकी भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the significance of India's diaspora and its role in enhancing India's economic and strategic interests. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय प्रवासी समुदाय के लोगों की संख्या 31 मिलियन है इसमें NRI, OCI, PIO शामिल हैं।

प्रासंगिकता ① विविधतापूर्ण
- → नेता (ऋषि सुनक, कमला हैरिस)
- → छात्र - (USA, ऑस्ट्रेलिया)
- → पेशेवर (डॉ०, इंजीनियर आदि)

② भारत व मेजबान के मध्य 'सेतु'

भारत के ~~आर्थिक~~ हितों में महत्वपूर्ण

आर्थिक	सामरिक
① विप्रेषण 100 BUSD (विश्व बैंक 2022)	① विदेश नीति में सहा: बैक चैनल टॉक (USA-भारत परमाणु समझौता)
② ब्रेन गेन: अनुभव, विशेषज्ञता को भारत लाते हैं।	② भारतीय हितों के पक्ष-पोषक रूप! खालिस्तान समर्थकों से भिड़ना
③ निवेश: FDI, IPR	

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

फाइल में बड़ा हिस्सा।

(4) प्रथाएँ : ड्राइ पार्टीज़, पर्यटन (देखो अपना देश)।

(5) विदेशियों के लिए भारत के प्रति आर्थिक आकर्षण उत्पन्न करो।

(3) राजनीतिक समर्थन में था। गुयाना राष्ट्रपति, सुरीनाम (जनता) भारतीय मूल का - रूट्स डिप्लोमेसी

(4) ब्रांड इण्डिया के प्रतीक

(5) भारत को 'विश्व गुरु' के रूप में स्थापित करने में।

आगे की राह

(1) अधिक वित्तीय अनुसमर्थन विदेश मंत्रालय को।

(2) प्रथाएँ : सर्विसिपुल्स - देखो अपना देश तथा स्त्री इन इण्डिया।

(3) पुनर्निवेश पर विशेष छूट देना।

प्रवासी भारतीय दिवस, पर्यटन तथा अन्य सहयोगों से सॉफ्टवेयर, कैंसर, केयर की पॉलिसी लागू करना।

4/10

⇒ प्रवासी समुदाय जातिगत रूप से विभाजित है — यह कैसे विवाद का कारण बन सकता है तथा इसके समाधान
⇒ अन्य सम्बन्धित मुद्दों पर संक्षेप में लिखिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. "राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) एक अनूठा मंच है, जिसे देश भर में पर्यावरणीय मुद्दों को स्वतः संज्ञान में लेने की शक्तियाँ प्राप्त हैं।" इस संदर्भ में राष्ट्र के पर्यावरण शासन में NGT के महत्त्व का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"National Green Tribunal (NGT) is a unique forum endowed with suo motu powers to take up environmental issues across the country." In this context analyse the importance of NGT for environmental governance of the nation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

NGT (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) की स्थापना NGT अधिनियम 2010 द्वारा हुयी।

NGT के उद्देश्य

- पर्यावरणीय न्याय।
- पर्यावरणीय मुद्दो पर स्वतः संज्ञान की शक्ति
- जल अधिनियम 1974, वायु प्रदूषण कानून -1978 आदि पर सुनवाई की शक्ति।

पर्यावरण शासन में NGT का महत्व

① पर्यावरणीय न्याय: NGT के निर्णय eg! दिल्ली में वायु प्रदूषण पर।
→ 6 माह में निर्णय की बाध्यता

③ कार्यपालिका/विधायिका की गतिहीनता तोड़ने में योगदान eg! गंगा स्वच्छता संबंधी निर्णय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ न्यायिक बोझ में कमी : → HC, SC में लंबित वाद।
↳ 5 Cr लंबित न्यायिक वाद।

④ सक्रियतावादी न्यायिक पर्यावरणीय दृष्टि :
- eg: SEZs संबंधी निर्णय, जनजातीय पुनर्वास का विभिन्न निर्णय।
→ eg: पर्यावरण अनुमान रिपोर्ट व कानूनों पर न्याय।

चुनौती : → बड़ी संख्या में लंबित वाद।
↳ पीठों में पर्यावरण विशेषज्ञ की कमी।
↳ प्रौद्योगिकी प्रयोग का अभाव - eg: ई-शिकायत, निपटान आदि।

प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना, विशेषज्ञों की नियुक्ति, पीठों का विस्तार छोटे शहरों में करना आदि उपायों की आवश्यकता है।

4.5/10

मॉडल उत्तर की सहायता से चुनौतियों को थोड़ा विस्तार से उल्लेख करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्त्वपूर्ण योगदान एक सुरक्षा वाल्व तथा यह विश्वास प्रदान करना है कि न्याय पहुँच से परे नहीं है। कथन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

The great contribution of Judicial activism in India has been to provide a safety valve and a hope that justice is not beyond reach. Critically analyze the statement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यायिक सक्रियता न्यायालय का सक्रियरूप से कार्यपालिका और विधायिका के क्षेत्र में जाकर निर्णय देने की स्थिति है। eg: PIL

आवश्यकता
- विधायिका कार्यपालिका की विफलता
- विधायी निर्वात।
- न्याय की पहुँच बढ़ाने हेतु।
- लोगों के अधिकारों के रक्षार्थ।
- अनु० 142 को सार्थक बनाने हेतु

न्यायिक सक्रियता से ही गंगा नदी प्रदूषण, ताज महल संरक्षण, तथा विशाखा दिशा निर्देश, प्रकाश सिंह वाद (2006) में प्रस्तावित पुलिस सुधार इत्यादि के माध्यम से न्यायालय ने एक न्यायिक सुरक्षा वाल्व और न्यायिक पहुँच के प्रति विश्वास में वृद्धि की है। हालांकि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न्यायिक सक्रियता से निम्न समस्याएँ भी उत्पन्न हुयी है-

① शक्ति पृथक्करण सिद्धांत का उल्लंघन
eg: विधायी व कार्यपालिका हेतु निर्देश
eg: प्रकाश सिंह वाद के निर्देश

② गैर व्यावहारिक आदेश eg: हाइवे किनारे शराबबंदी

③ अति न्यायिक सक्रियता eg: बेरारिवलन की रिहाई,
eg: हालिया ECI के निर्णय, CBI निदेशक का कार्यकाल निर्धारण।

वस्तुतः न्यायिक पहुंच बढ़ाना, कार्यपालिका, विधायी नींद तोड़ना, सामाजिक न्याय (अनु० 39, 46) को प्राप्त करना तथा अनु० 21, 14 को प्रभावी बनाना ही न्यायालय का उद्देश्य है। पर स्पष्टतः शक्ति पृथक्करण को ध्यान में रखने की जरूरत है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. चुनावों के राज्य वित्तपोषण की अवधारणा से आप किस सीमा तक सहमत हैं? (150 शब्द) 10

To what extent do you agree with the concept of state financing of elections? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चुनावों के राज्य वित्तपोषण में चुनावों (संसद, राज्यविधानमण्डों) का सम्पूर्ण खर्च सरकार द्वारा संचित निधि से देने की स्थिति है।

यहाँ अनुच्छेद 324 की चर्चा कर सकते थे

आवश्यकता

- चुनावों में बढ़ता धनबल
- राजनीतिक भ्रष्टाचार पर लगाम
- चुनावों में धनी लॉबिंग पर लगाम

लाभ

(1) राजनीति के बढ़ते अपराधीकरण पर लगाम। eg. 43% सांसद अपराधी (अधिकांश करोड़पति)

(2) पार्टियों की फंडिंग में पारदर्शिता आएगी।

(3) लेवल प्लेइंग फील्ड देगा। eg: पार्टियाँ केवल धनबल वाले व्यक्तियों टिकट देती है।

(4) उम्मीदवारों द्वारा भ्रष्टाचार रुकेगा → खर्चीली रैलियाँ
↳ चुनाव आयोग को मज़बूत नियंत्रण देगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

राज्य द्वारा चुनावी फंडिंग से विभिन्न समस्याओं पर लगाम लगेगी क्योंकि भारत के चुनाव दुनिया में सर्वाधिक खर्चीले चुनाव होते हैं। हालांकि निम्न चुनौतियाँ विद्यमान हैं।

① आर्थिक बोझ :→ राजकोषीय घाटा बढ़ेगा (वर्तमान 6.7%)
↳ बड़ी मात्रा में धन की आवश्यकता।

② राजनीतिक पार्टियों की संख्या बढ़ेगी
↳ धन प्राप्ति के लिए।

③ संघ राजकोषीय पर विशेषज्ञ प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

चुनावों के राज्य वित्तपोषण की जगह दलों में आंतरिक लोकतंत्र लाना (जर्मनी की तरह संवैधानिक दर्जा), चुनावी सुधार (eg: ECI को पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की शक्ति, एक जगह से चुनाव लड़ना), तथा कोष (आय) सहित, पार्टियों का ऑडिट आदि सुधार करने चाहिए।

4.5/10

⇒ राज्य वित्तपोषण के संदर्भ में इंद्रजीत गुप्ता समिति की रिपोर्ट का उल्लेख भी करते

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

7. सामाजिक अंकेक्षण, जवाबदेहिता को लागू करने और प्रशासन में पारदर्शिता लाने का एक महत्त्वपूर्ण तंत्र है। भारत में सामाजिक अंकेक्षण के लिये उपलब्ध विभिन्न विधायी समर्थनों पर प्रकाश डालिये।

(150 शब्द) 10

Social Audit is an important mechanism to enforce accountability and provide transparency in the administration. Highlight various legislative supports available for social audit in India.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक अंकेक्षण समाज (नागरिक समाज, NGO) द्वारा सार्वजनिक कार्यों / खातों की समीक्षा करने की स्थिति है।

लाभ ① जवाबदेहिता का निर्माण यथा निर्वाचित, सरकार, प्रशासन की / जनप्रतिनिधियों की

② पारदर्शिता में बढ़ोत्तरी : कार्यों के खर्च ब्यौरे सार्वजनिक।

③ प्रशासनिक कुशलता में वृद्धि, भ्रष्टाचार में कमी। जनता की प्रत्यक्ष नज़र सरकारी कार्यों पर रहती है।

④ जनता व सरकार में विश्वास बढ़ता है।

⑤ सामाजिक न्याय (अनु० 39, 46, 47) की प्राप्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में किए गये विधायी समर्थन :

① मनरेगा कानून : 2013 → पंचायत के कार्यों का सामाजिक परीक्षण, विधिपरक।

② NFSA-2013 : PDS संचालन पर समाज की नज़र।

③ अन्य : → मेघालय का सोशल ऑडिट कानून
↳ RTI, (जनता जानकारी मांग सकती है।)

अनुपालन में कमियां - चुनौती → जनता में जागरूकता का अभाव।
→ निरीक्षण प्राधिकरण नहीं
↳ कोई ठोस कानूनी समर्थन नहीं।

मनरेगा कानून में प्रावधानी जानकारी।
विशेषज्ञता (की कमी (जनता में), आंकड़ों का अभाव।

आगे : सामुदायिक ऑडिट, प्रौद्योगिकी संचालित क्रियान्वयन, जागरूकता निर्माण, ऑडिट में लोगों को विशेषज्ञ समर्थन देना आदि उपाय करने चाहिए।

4.5/10

मॉडल उत्तर की सहायता से विधायी समर्थन की व्याख्या को अधिक विस्तार रूप से लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. प्रस्तावित बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 भारत में सहकारी समितियों के संचालन में सुधार का उद्देश्य रखता है। इस संशोधन के महत्त्व पर बल देते हुए इसके प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The proposed multi-state cooperative societies (Amendment) Bill 2022 seeks to revamp the operation of cooperative societies in India. Discuss the key provisions of the Bill, emphasizing the importance of this amendment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बहु राज्य सहकारी समिति संशोधन विधेयक 2022 को पारित कर सहकारी समितियों के गठन, संचालन, विनियमन में सुधार लाए गये हैं।

प्रस्तावित सुधार

① निर्वाचन प्राधिकरण का गठन: सहकारी समितियों के निर्वाचन हेतु।

② लोकपाल: समितियों संबंधी शिकायतों का शीघ्र निपटान।

③ कोष: सहकारी समितियों के विकास के लिए।

④ बोर्ड में परिवर्तन: महिला व SC/ST सदस्यों को अनिवार्य स्थान।

ये सुधार अनु० 43-B (संविधान) के तहत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~सह~~ सहकारी समिति कानून 2002 में लाए गये

इन परिवर्तनों का महत्व।

(1) सहकारिता को बढ़ावा मिलेगा
 जैसे: पूर्वी भारत, पूर्वोत्तर में जहाँ ये पिछड़ी स्थितियें हैं।

(2) शिकायतों का तीव्र निवारण होगा।

(3) अधिक समावेशी निर्णय जैसे: महिला SC/ST सदस्य

(4) सहकारिता आंदोलन को प्रभावी बनाने में सहयोग होगा।

यह ~~विधेयक~~ समितियों के कामकाज सुधार, उनके विकास, विस्तार इत्यादि में सहयोगी होगा।

5/10

→ विधेयक की विशेषताओं को थोड़ा और विस्तार से लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये, जो जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की स्थापना करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। (150 शब्द) 10

Critically evaluate the 73rd Constitutional Amendment Act 1992, that seeks to establish democracy at the grassroots. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

73th संविधान संशोधन द्वारा लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण करके पंचायतीराज संस्थाओं का गठन किया गया।

आवश्यकता था / में उत्तर की शुरुआत

प्रावधान ① पंचायत का गठन (गांवो के लोगों की सहमति से)
↳ त्रिस्तरीय पंचायत

② वयस्क मताधिकार (18 वर्ष से ऊपर)

③ महिला आरक्षण 1/3

④ प्रत्येक 5 वर्ष में चुनाव।

पंचायती राज संस्थानों ने निम्न प्रकार जमीनी स्तर पर लोकतन्त्र स्थापित करने का प्रयास किया है

① योजनाओं का स्थानीयकृत क्रियान्वयन
eg: मनरेगा, NFSA, जल जीवन मिशन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

② लोगों की विकास में प्रत्यक्ष भागीदारी
eg: पंचायत द्वारा कार्यों का निर्धारण

③ समस्याओं का 'जरूरत के अनुसार' हल
eg: सामाजिक वानिकी, नाली सफाई, सड़क निर्माण।

④ सामाजिक लाभ: IMR, MMR, तथा उम्र में बढ़ोत्तरी।
(ANM, आशा बहु द्वारा स्वास्थ्य लाभ।

अभी भी चुनौतियाँ हैं
- केन्द्र पर राज्यों, केन्द्रीय अनुदान पर निर्भरता।
- 3'F' की कमी — फण्ड, फंक्शन, फंक्शनरी
- विशेषज्ञता, कौशल, तथा तकनीकि प्रयोग की कमी।
- भ्रष्टाचार (प्रधान पति की अवधारणा)
- संरचनात्मक चुनौतियाँ

पारोदा ग्राम पंचायत (MH) तथा सोडा पंचायत जयपुर के अनुभवों के आधार पर आवश्यक कानूनी, योजनागत, वित्तीय विशेषज्ञीय सुधार लाना।

=> आपकी विषय वस्तु पर समझ अच्छी है

=> कन्टेंट को अधिक संक्षिप्त तथा प्रवाहपूर्ण लिखने का प्रयास करें

5/10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. जनगणना में होने वाली देरी से विकासात्मक पहलों की प्रभावशीलता और दक्षता प्रभावित होने की संभावना बनी रहती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Delay in Population census has the potential to affect the efficacy and efficiency of developmental initiatives. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जनगणना में प्रति दस वर्ष में देश के नागरिकों की सम्पूर्ण गणना की जाती है।

जनगणना
- 1871 में प्रथम
- 1881 से नियमित जनगणना।
- जनसंख्या (जन्म, मृत्यु संख्या के आंकड़े)
- लोगों की सामाजिक आर्थिक आंकड़े एवं: आय।
- प्रवास, सामाजिक ढांचा (एकल, परिवार, संयुक्त) आदि

=> कोविड के कारण 2021 की जनगणना स्थगित

नियमित जनगणना का विकासात्मक लाभ:

① लाभार्थी पहचान आसान एवं: आयुष्मान भारत योजना में जनगणना 2011 के आंकड़े।

② तथ्यात्मक व सटीक आंकड़े एवं: मृत्यु, जन्म स्वास्थ्य संबंधी। जबकि NFSH, NSSO आदि के आंकड़े होते सैम्पलसाइज पर आधारित होते।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(४) नीति निर्माण का आधार एवं प्रगति संबंधी।
एवं मनरेगा संबंधी, किसानों संबंधी

(a) निजी क्षेत्र द्वारा प्रयोग → विश्लेषण, सर्वेक्षण
↳ निवेश योजना आदि

नियमित जनगणना पर कोविड के कारण व्यवधान आया जिससे निम्न प्रकार की समस्याएँ, चिंताएँ उत्पन्न हुयी हैं।

(1) 2011 जनगणना के आंकड़े पुराने।
(2) लाभार्थी गणना, पहचान में व्यवधान।
(3) जनसंख्या वृद्धि दर, विस्तार, प्रवास पैटर्न की समझ में समस्याएँ।

वस्तुतः आवधिक और सटीक जनगणना विकासात्मक पहलुओं का आधार है।

तथ्यों का आवश्यक के साथ उल्लेख करें

4.5/10

उत्तर को काफी अच्छा लिखने का प्रयास करें के लिए यथासंभव तथ्य एवं उदाहरण का उल्लेख करना बेहतर होगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के आलोक में भारत-जापान सामरिक संबंधों में सहयोग के उभरते क्षेत्र और चुनौतियाँ क्या हैं? (250 शब्द) 15

In light of the changing geopolitical landscape, what are the emerging areas of cooperation and potential challenges in the India-Japan strategic relationship? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्विक पटल पर उभरती भारतीय शक्ति, रूस-यूक्रेन युद्ध, हिन्द प्रशांत का बढ़ता महत्व तथा क्वाड और ऑकस की स्थापना तथा चीनी चुनौती और सैन्य आक्रामकता ने वैश्विक भूराजनीतिक परिदृश्य को बदला है। ऐसे में भारत-जापान संबंध अति महत्वपूर्ण हो जाते है।

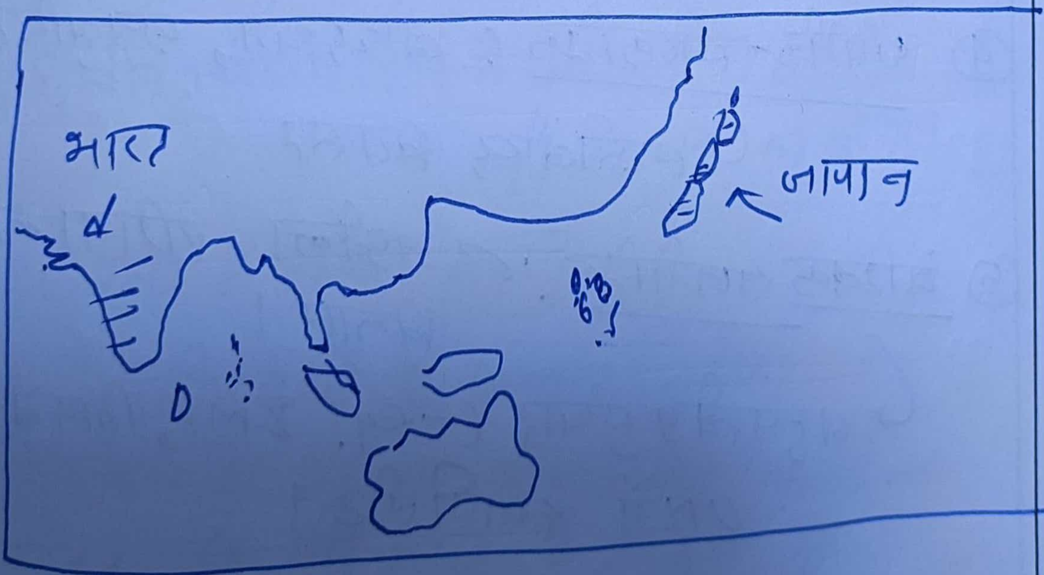

सहयोग के उभरते क्षेत्र:

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(1) आर्थिक : → सप्लाई चेन रिजिलिएंट इनिशिएटिव
↳ इलेक्ट्रॉनिक में जापान
↳ भारत बड़ी बाज़ार, जापान की तकनीकि क्षमता।

(2) भूराजनीतिक : → हिन्द प्रशांत की सुरक्षा
↳ चीनी आक्रामकता का समान बटता।

(3) सैन्य व अंतरिक्ष : → जापान का बढ़ता सैन्य बजट।
↳ अंतरिक्ष में साझी महत्वकांक्षाएँ

(4) धार्मिक-सांस्कृतिक : बौद्ध धर्म, ज़ेन बुद्धिज़्म
↳ साझी बौद्ध विरासत

(5) वैश्विक राजनीतिक : → अफ्रीका - एशिया का विकास।
↳ बहुपक्षीय सुधार (eg: IMF, विश्व बैंक UN में स्थायी सीट।

यद्यपि विभिन्न चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मित्र दृष्टिकोण
eg: रूस यूक्रेन युद्ध में जापान अमेरिका की ओर।

चुनौतियां

अपर्याप्त FTA
केवल 13 BUSD का द्विपक्षीय व्यापार।

- [illegible] चीनी रणनीति eg: एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर
- पीपल टू पीपल संबंधों में महत्वपूर्ण बढ़त नहीं।
- सैन्य सहयोग ज्यादा मजबूत नहीं।

आगे की राह

1. व्यापार नीतियों की पुनर्समीक्षा करना।
2. चीन संबंधी उद्देश्यों में अभिसरण लाना eg: ताइवान का मुद्दा।
3. क्वाड में सहयोग बढ़ाना।
4. बहुपक्षीय प्रयोगों पर मिलकर कार्य।

अतः स्पष्टः विकसित भारत के रूप में जापान अपना महत्वपूर्ण है।

[Evaluator's remarks: ⇐ चीन का बढ़ता प्रभुत्व और अमेरिका [illegible] ; की सहायता ; 6.5/15 ; ⇒ मॉडल बदलते वैश्विक परिदृश्य के संदर्भ में भारत जापान संबंधों को आवश्यक तथ्यपरक तथा प्रभावी तरीके से लिखें]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. समकालीन वैश्विक व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के महत्त्व का आकलन कीजिये तथा इसके सुधार और पुनरुद्धार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Assess the significance of the United Nations in the contemporary world and discuss the need for its reform and revitalization. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक शांति, समृद्धि के लिए हुयी थी।

समकालीन वैश्विक व्यवस्था

- कोविड-19 से आर्थिक सुस्ती।
- रूस-यूक्रेन युद्ध।
- वैश्विक प्रतिद्वंद्विता eg: USA vs चीन।
- खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा तथा UN का घटता महत्व

ऐसे में UN का महत्व

① चर्चा का मंच: → वैश्विक मुद्दों पर।
↳ अपने हितों का।

② खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य में बेहतरीन कार्य
eg: UN खाद्य प्रोग्राम के अफ्रीका, अफगानिस्तान में कार्य।
eg: WHO के कार्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(3) शांति सुरक्षा निर्माण eg! UN शांति मिशन-

(B) विभिन्न पक्षों पर महत्त्व के बावजूद UN में निम्न समस्याएँ सामने आती हैं।

(1) UNSC का विस्तार आवश्यक – भारत को जगह नहीं
↳ देशों द्वारा वीटो का अनैतिक प्रयोग
eg! चीन का पाकिस्तानी आतंकियों हेतु।

(2) देशों द्वारा उपेक्षा; eg! UNClose के निर्णयों को चीन ने नहीं माना

संघर्ष, आक्रामता
(3) ↑ युद्ध रोकने में अप्रभावी : eg! युक्रेन-रूस.
चीन की द. चीन सागर व IOR में आक्रामकता।

(4) वार्ता के उभरते वैकल्पिक तंत्र eg! G20, SCO, क्वाड, आदि

तथ्यों को उदाहरण के साथ लिखें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि कुछ कमियों के बावजूद UN अप्रासंगिक नहीं है इसमें निम्न सुधारों की जरूरत है,

(1) UNSC का विस्तार - G-4 को स्थायी सदस्यता देना

(2) प्रवर्तन तंत्र की स्थापना : जो निर्णयों, संकल्पों का प्रवर्तन करे।

(3) बहुपक्षीय संस्थाओं पर मंच देना

(4) युद्धों, संघर्षों को रोकने का मैकेनिज्म विकसित करना।

वस्तुतः स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सैन्य आक्रामकता, संप्रभुता इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में रक्षक और नवनिर्मित UN अपनी भूमिका निभा सकता है।

6.5/15

⇒ मॉडल उत्तर की सहायता से सुधार की आवश्यकता का उल्लेख करें।
⇒ कुछ और सुझाव लिखें।
⇒ कुछ सफलताओं के उदाहरण दें।
⇒ सम्बद्ध तथ्य, आँकड़े कथन यथासंभव देने का प्रयास होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. उन कारकों एवं भू-राजनीतिक हितों पर चर्चा कीजिये जो मध्य एशिया के साथ भारत के संबंधों को एक आकार प्रदान करते हैं। उन कदमों का भी उल्लेख कीजिये जिन्हें भारत को इस क्षेत्र में अपनी पहुँच बढ़ाने के लिये उठाने की आवश्यकता है। (250 शब्द) 15

Discuss factors and geopolitical interest which shapes India's engagement with central Asia. Also Mention steps which India need to take to enhance its reach in the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रश्न के संदर्भ में प्रभावपूर्ण भूमिका लिखें

मध्य एशिया में अधिकांशतः पूर्ववर्ती USSR में शामिल देश आते हैं। जैसे कज़ाकस्तान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान आदि।

मध्य एशिया भारत की विदेश नीति का महत्वपूर्ण केन्द्र है

कारक

- निर्यात का मुख्य पड़ाव! eg भारतीय निर्यात हेतु गंतव्य।
- मध्य एशिया के संसाधन – लौह खनिज तेल, गैस, यूरेनियम
- सामाजिक-सांस्कृतिक कारक - eg: बौद्ध धर्म।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भू-राजनीतिक हित

(1) चीन का बढ़ता प्रभाव रोकना।

(2) मध्य एशिया में भारतीय पकड़ मजबूत करना।

(3) INSTC के माध्यम से यूरोप तक पहुँच बनाना।

(4) TAPI गैस पाइपलाइन का निर्माण तथा ग्वादर- जरांज डेलाराम हाइवे का विस्तार करना।

(5) मध्य एशिया के अधिकांश देश SCO में शामिल हैं।

(6) आतंकवाद, सुरक्षा इत्यादि से निपटने में सहयोग।

चुनौतियाँ

- प्रत्यक्ष पहुँच का अभाव
- कम निवेश
- रुकी हुयी परियोजनाएँ जैसे! तापी, INSTC
- पीपल टू पीपल संपर्क कमजोर है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पहुँच बढ़ाने के लिए सम्भावित उपाय

① इसी परियोजनाओं में तीव्रता लाना
यथा: तापी, INSTC

② सामाजिक सांस्कृतिक/ संबंध परिषद को अधिक संसाधन देना: संबंधो को बढ़ावा देने हेतु

③ सहयोग → रूस के साथ → रक्षा निवेश। SCO में

④ खनिजों तथा संसाधनों में निवेश करना
यथा: काबिल के द्वारा निवेश।

मध्य एशियाई देश जलवायु परिवर्तन से निपटने, भारत के निर्यात के लिए बाज़ार तथा ऊर्जा और सुरक्षा आवश्यकताओं में महत्वपूर्ण है। अतः इनसे मज़बूत संबंधों की आवश्यकता है।

7/15
⇒ आपकी विषयवस्तु पर समझ अच्छी है। उदाहरण ... लिखना
⇒ मॉडल उत्तर ... तथ्यों को प्रयोग करें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. संविधान निर्माताओं ने भारत के लिये एक समान नागरिक संहिता की "आशा और अपेक्षा" की थी, लेकिन इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया गया है। इस संदर्भ में भारत में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। इन चुनौतियों से निपटने के लिये सरकार क्या कदम उठा सकती है? (250 शब्द) 15

The founders of the Constitution had "hoped and expected" a Uniform Civil Code for India but there has been no attempt at framing one. In this regard discuss the need for a Uniform Civil Code in India and examine the challenges in its implementation. What steps can be taken by the government to overcome these challenges? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के नीति निदेशक तत्वों का अनु 044 राज्य को समान नागरिक संहिता के लिए निर्देश देता है।

समान नागरिक संहिता UCC सिविल मामलों यथा गोदनामा, संपत्ति, विवाह, तलाक आदि में एक समान कानूनों की स्थिति है।

संविधान निर्माताओं की UCC के समर्थन के कारण

- भारत एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र है।
- विधि के समक्ष समता आवश्यक
- सामाजिक न्याय का आधार।

किंतु उन्होंने उस समय कोई ठोस प्रयास नहीं किए थे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है

(1) सामाजिक न्याय देना eg: महिलाओं का धर्म, संस्कृति के नाम पर शोषण (eg: पुरुषों को बहुविवाह का अधिकार)

eg: 'थर्ड जेंडर समुदाय' को विवाह, संतान के अधिकार देना।

(2) विधि के समक्ष समता, और विधि का समान संरक्षण के आदर्श को पूर्णतः लागू करना।

(3) प्रशासनिक व न्यायिक जटिलताओं का सरलीकरण eg: अलग-अलग समुदायों के पर्सनल कानूनों से जटिलताएं बढ़ती हैं।

(4) न्यायिक आदेश अ उच्चतम न्यायालय ने निर्णयों में UCC निर्माण के लिए कहा - eg: शाहबानो वाद (1985), शायरा बानो वाद (2017)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विविधता eg! धर्म, जनजातियाँ भिन्न सांस्कृतिक परंपराएँ।

विधि आयोग
↳ UCC न तो आवश्यक न वांछनीय

मुख्य चुनौतियाँ
→ अनु० (25-28) धार्मिक स्वतंत्रता
→ राजनीतिक दुरुपयोग संभव।
↳ विभिन्न मत ? eg:- "(एकता) के लिए एकरूपता आवश्यक नहीं"।
↳ सामाजिक संघर्ष, अशांति की संभावना

सरकार के कदम ?

① व्यापक चर्चा करना। सभी समुदायों के साथ।

② एक बहुस्तरीय रणनीति बनाना
↳ धीरे-धीरे लागू करना।

③ UCC को संतुलित व सहयोगी रूप से बनाना

निष्कर्ष: UCC संवेदनशील मुद्दा है इसलिए व्यापक चर्चा व आपसी सहयोग से ही लागू करना चाहिए।

7.5/15

→ उत्तर को अधिक तथ्यात्मक तथा विश्लेषणात्मक बनाएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "भारतीय संसद एक संप्रभु विधायिका नहीं है; इसकी शक्तियाँ विशाल हैं लेकिन असीमित नहीं।" कथन पर टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

"The Indian Parliament is not a sovereign legislature; it has vast but not unlimited powers." Comment on the statement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संसदीय संप्रभुता से आशय संसद की विधायी शक्तियों पर कोई प्रतिबंध न होने की स्थिति है। UK की संसद संप्रभु है पर भारत की नहीं।

यहाँ संप्रभु संसद की विशेषताएं बताएं

भारतीय संसद की संप्रभुता पर प्रतिबंध

- न्यायिक समीक्षा — न्यायपालिका संविधान की संरक्षक व व्याख्याकार
- संविधान के आधारभूत ढाँचे का सिद्धांत
- मूल अधिकार — eg:- अनु० 21
- संविधान की सर्वोच्चता
- न्यायिक व्याख्याएँ — eg: केशवानंद भारती वाद, eg: मिनर्वा मिल्स वाद

यद्यपि भारतीय संसद संविधान के बड़े भाग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में संशोधन कर सकती है। जैसे—

(1) मूल अधिकार के अधिकांश भाग।

(2) संघीय विशेषताओं में।

(3) नागरिकता, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्रीमण्डल संबंधी प्रावधान।

(4) राज्यों के स्वरूप, सीमाओं में। eg! अनु० 3

eg: अनु० 370 का उन्मूलन।

संशोधन के प्रकार

- साधारण बहुमत से
  - eg! नागरिकता, राज्यों की सीमाएं, राज्यविधानमण्डल
- ⅔ बहुमत से
  - eg: मूलअधिकार
- ⅔ विशेष बहुमत व आधे राज्यों की सहमति।
  - eg! संघीय संरचना
  - eg: उच्च न्यायालय की स्थापना आदि

⇒ तथ्यों को संक्षेप में लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि संसद संशोधन की शक्तियां विशाल हैं ~~तथा~~ किन्तु यद्यपि असीमित नहीं है।

6/15

मॉडल उत्तर की सहायता से संसद की व्यापक शक्तियां एवं उनकी सीमाओं को तथ्यात्मक एवं व्यावहारिक रूप में लिखें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. वैश्वीकरण के युग में, विदेश नीति को आकार देने में पैरा डिप्लोमेसी की अवधारणा का महत्त्व उत्तरोत्तर बढ़ा है और यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में उपराष्ट्रीय अभिकर्त्ताओं की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करता है। भारत के संदर्भ में सविस्तार वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

"In the era of globalization, the concept of Para diplomacy has become increasingly important in shaping foreign policy, highlighting the growing significance of subnational actors in international relations". Elaborate in the context of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must n... write on this marg...)

पैरा डिप्लोमेसी का तात्पर्य देश के उप घटकों यथा राज्यों, शहरों का विदेश नीति में भाग लेना है।

अवधारणा का बढ़ता महत्व
- उप घटकों की बढ़ती विकासात्मक महत्वकांक्षाएँ
- परस्पर प्रतिस्पर्धा व क्षमता निर्माण के अवसर
- विदेश नीति का महत्वपूर्ण पक्ष

भारत के लिए पैरा डिप्लोमेसी का महत्व :

① **पड़ोसियों से संबंध :**

eg: तमिलनाडु का श्रीलंका के तमिल अल्पसंख्यकों का भावनात्मक मुद्दा

eg: पश्चिम बंगाल → बांग्लादेश के साथ लोगों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सांस्कृतिक, सामाजिक संबंध।

eg: ~~मणिपुर~~ पूर्वोत्तर के लोगों के म्यांमार में नृजातीय संबंध।

② राज्यों के विकास हेतु आवश्यक

eg: दिल्ली द्वारा स्वीडिश शिक्षा मॉडल।

eg: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरा → निवेश आकर्षण हेतु।

③ औद्योगिक व सामाजिक विकास में

eg: UP की इन्वेस्टर समिट।

eg: SDG प्राप्ति हेतु।

पैराडिप्लोमेसी की तरफ उपराष्ट्रीय व अभिकर्ताओं की भूमिका बढ़ी है पर इसमें कुछ चुनौतियां व्याप्त हैं।

① संघवाद: राज्यों का विदेशनीति में बढ़ता हस्तक्षेप

eg: बांग्लादेश भारत जल विवादों में प० बंगाल का हस्तक्षेप

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this marg...)

③ संविधान : भारत विनाशी राज्यों का अविनाशी संघ है। (अनु० 1-3)

④ मुद्दों का नकारात्मक व राजनीतिक प्रभाव
eg. दिल्ली CM को स्वीडन यात्रा की अनुमति नहीं।

आगे :

① विदेश नीति में राज्यों की भागीदारी बढ़ाना
eg. एम्बेसी में काउंसल की नियुक्ति।
eg. सामाजिक सांस्कृतिक परिषदों में क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की नियुक्ति।

② वार्ता भागीदार बनाना eg: तीस्ता जल बंटवारे में प० बंगाल को

वस्तुतः पैरा डिप्लोमेसी में भारतीय विदेश नीति के प्रभाव और क्षमता बढ़ाने की ताकत है eg: भिन्न राज्यों के NRI मित्रों से।

7.5/15

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत की राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति के उद्देश्य, लक्ष्यों और महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the objective, goals and significance of India's National Geospatial policy. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत ने हालही में भूस्थानिक नीति 2022 लाया जो यह भारत को एक डाटा आधारित महाशक्ति में रूपांतरित करने का लक्ष्य निर्धारित करती है।

भू-स्थानिक नीति को थोड़ा विस्तार से स्पष्ट करें

उद्देश्य

① व्यापार सुगमता बढ़ाना : एवं बेहतर आंकड़े व मैप, भूमि उपलब्धता करवाना।

② विनियमित विकास करना : शहरीकरण, विकास पैटर्न का पता लगाना।

③ भू-स्थानिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थापना।

④ डाटा लोकलाइजेशन, प्रसंस्करण का प्रयास

तथ्यों को स्पष्ट एवं व्यवस्थित लिखें

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार हाशिये में चाहिये। (Candidate write on th

नीति के लक्ष्य

(1) **2025 तक** : डेटा तक आसान पहुँच, सुलभता बढ़ाना।

(2) **2030 तक** : भू-स्थानिक ज्ञान अवसंरचना का निर्माण करना।

(3) **2035 तक** : ब्लू इकॉनमी का समर्थन → बथिमेट्री डेटा उपलब्ध कराना।

इस नीति का महत्व :

(1) **कृषि** : फसल उपज आकलन, आपदा में नुकसान आकलन।

(2) **पर्यावरण** : नदी विस्तार, जलसंग्रहण, वनावरण तथा पर्यावरण संरक्षण संबंधी सटीक आंकड़े → नीति निर्माण में सहयोग।

(3) **अवसंरचना निर्माण** : हाइवे, रेलवे लाइन,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

शहरी विनाश में सहायक

(9) आपदा प्रबंधन: आपदा प्रवण क्षेत्रों की पहचान

↳ अनुकूलन, परियोजना हेतु अनुमान आसान।

समग्रतः यह नीति भारत में एक विनियमित व भू-पारिस्थितिकी निर्माण में सहायक होगी।

7/15

उद्देश्य के हश्यों को व्यवस्थित लिखें

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. 'गरिमा मानव जीवन का सार है' और यही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का लक्ष्य है। मानवाधिकारों के संरक्षण में NHRC के प्रदर्शन का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

'Dignity is the essence of human life' and it is the objective of NHRC. Evaluate the performance of NHRC in preserving human rights. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

गरिमा का अर्थ स्वाभिमान और आत्मसम्मान के साथ मानवीय जीवन स्तर की भाँति जीवन संचालन की मनःस्थिति या आत्मदृष्टि की। यह NHRC के लक्ष्यों में से एक है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 1992 में वैधानिक स्वरूप के साथ हुयी थी।

NHRC का महत्व :

(1) इसके पास दीवानी न्यायालय के समान शक्तियाँ।

(2) किसी मामले (eg: मणिपुर हिंसा) में स्वयं संज्ञान की शक्ति।

(3) आयोग मानवाधिकार संबंधी मामले में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यायालय में हस्तक्षेप कर सकता है।

(4) आयोग किसी मामले की विशेषज्ञीय जाँच कर सकता है, साक्ष्य मांग सकता है, , गवाही ले सकता है।

वस्तुतः NHRC के पास व्यापक शक्तियाँ है। इसलिए NHRC ने निम्न सराहनीय प्रयास किए हैं।

- चकमा शरणार्थियों का पुनर्वास।
- TADA कानून के विरुद्ध न्यायालय में जाना।
- कोविड-19 में गृहहिंसा, प्रवासी श्रमिकों पर सराहनीय कार्य

इन सराहनीय कार्यों के बावजूद NHRC की निम्न सीमाएं और मुद्दे हैं।

(1) संसाधनों का अभाव: वित्त, प्रौद्योगिकी, कर्मचारि आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) सिफारिशें मात्र सलाहकारी प्रकृति की

(3) स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह : नियुक्तियाँ सरकार द्वारा

(4) अत्यधिक लंबित वाद

आगे की राह :

(1) अधिक संसाधन और वित्तीय समाधान देना।

(2) विशेषज्ञीय सहायता तथा प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों को प्रयोग में लाना।

(3) NHRC किसी मामले में केवल 1 वर्ष के अन्दर ही हस्तक्षेप कर सकती है इस सीमा को बढ़ाना।

वस्तुतः NHRC की सिफारिशों को बाध्यकारी बनाना और अधिक सशक्त आयोग लोगों के मानवाधिकारों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

1.5/15

→ आपकी विषय वस्तु की समझ पर कार्य करें।
→ प्रश्न की आवश्यकता के अनुसार उत्तर लिखें तथा परिचय और निष्कर्ष ...

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. स्वयं सहायता समूह (SHG) देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। इन समूहों को प्रोत्साहित करने के लिये सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Self Help Groups (SHGs) are the panacea for the socio-economic development of the country. Discuss the steps taken by the government to promote these groups. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

SHG सामान्यतः एक समान सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाले और समान उद्देश्यों के लिए कार्यरत इच्छुक लोगों का स्वशासित व स्व नियंत्रित समूह है।

कार्यप्रणाली व तथ्य

- 5–20 सदस्य
- उधार की सामूहिक गारंटी
- सदस्यों का सशक्तिकरण
- सामूहिक बचत व नेतृत्व
- समस्या समाधान के लिए परस्पर सहायता

- 1.2 करोड़ SHGs
- 37,500 करोड़ की जमा पूंजी
- 1 लाख करोड़ से अधिक का ऋण
- NPA 3-5%

सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण

① सामाजिक कुप्रथाएं: यथा: दहेज, शराब

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के विरुद्ध सफल प्रयास → eg: दामोदर महिला मण्डल (कोडरमा) का शराब के विरुद्ध सफल प्रयास

③ **लैंगिक समानता** : महिलाएँ सशक्त, नेतृत्व कौशल विकास, सामूहिक आवाज़, सामाजिक पारिवारिक स्थिति में सुधार।

④ **वंचित वर्गों की आवाज़** : eg: दलित, महिलाएँ

⑤ **वित्तीय समावेशन** : eg: नाबार्ड का बैंक लिंकेज (SHG) प्रोग्राम।
↓
महिलाओं की बढ़ी बैंकिंग भागीदारी

⑥ **रोज़गार** : सूक्ष्म, कुटीर उद्योग, सिलाई, बैंक सखी।

सरकार के प्रयास :

① SHG बैंक लिंकेज प्रोग्राम (नाबार्ड)

② PSL (प्राथमिकता प्राप्त उधारी क्षेत्र) में सूचीबद्ध → आसान ऋण।

③ प्रियदर्शिनी योजना (सूक्ष्म उद्यम स्थापना में सहायक)

#SVSY, #DAY-NRLM

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अन्य : महिला किसान सशक्तिकरण योजना, मुद्रा योजना आदि।

मुद्दे

- ऋण का घरेलू आवश्यकता में प्रयोग।
- कौशल उन्नयन की कमी
  - यथा: व्यावसायिक ट्रेनिंग नहीं।
  - यथा: क्षमता निर्माण नहीं → ऑनलाइन मार्केटिंग, प्रबंधन आदि।
- मजबूत वित्तीय सहायता नहीं।
- सामाजिक बाधाएँ → पितृसत्तात्मकता
- Grp, बिहार में कमजोर स्थिति (नाबार्ड)

अधिक वित्तीय आवंटन करना, कौशल उन्नयन के लिए प्रशिक्षण योजना लाना, उत्पादों के विक्रय के लिए कंपनियों से सहयोग व्यवस्था, प्रशासनिक चुनौतियाँ समाप्त करना इत्यादि प्रयास SHGs के विकास में सहायक है।

7.5/15

⇒ इसको अधिक व्यापक तथा व्यावहारिक लिखते को आधार उचित रहेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

20. विश्व के लिये ताइवान के सामरिक महत्त्व का आकलन करते हुए यह निर्धारित कीजिये कि एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में इसकी अवस्थिति और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक संभावित फ्लैशपॉइंट क्षेत्र के रूप में यह 21वीं सदी में शक्ति के भू-राजनीतिक संतुलन को कैसे प्रभावित करता है? (250 शब्द) 15

Assess the strategic significance of Taiwan for the world, and how its position as a major economic power and a potential flashpoint in the Asia-Pacific region affects the geopolitical balance of power in the 21st century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

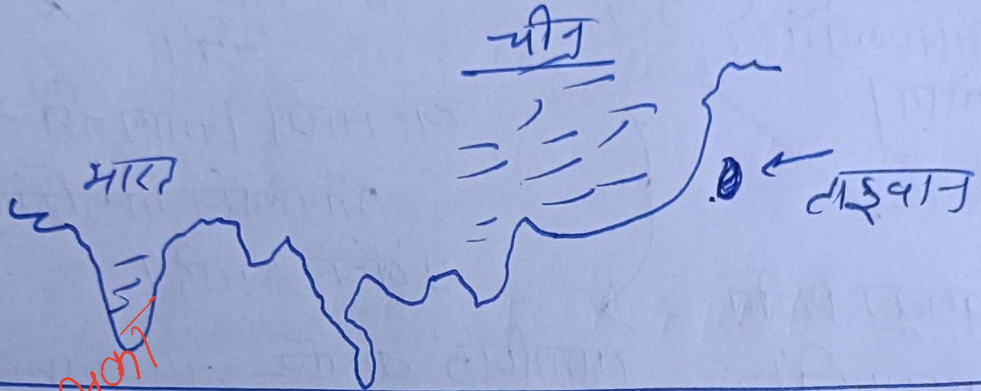

उपयुक्त भूमिका लिखें

ताइवान अपनी भौगोलिक, प्रौद्योगिकीय महत्व के कारण वैश्विक महत्व रखता है।

ताइवान का सामरिक महत्व:

(1) भौगोलिक अवस्थिति: → USA के फर्स्ट आइलैण्ड चेन का भाग

→ चीन के पूर्व विस्तार और दक्षिण चीन सागर में आक्रामकता में बाधक

(2) व्यापारिक व आर्थिक → विश्व का मुख्य 'चिप' → उच्च प्रति व्यक्ति आय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निर्माता और निर्यातक

(8) चीन के लिए महत्वपूर्ण : 'वन चाइना' नीति की सफलता, और वैश्विक शक्ति होने का प्रमाण के रूप में ताइवानी एकीकरण

(9) वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण कड़ी

भू राजनीतिक संतुलनकारी के रूप में

- प्रतिरोध की क्षमता क्योंकि ताइवान प्रौद्योगिकी सक्षम है
- चीन की सर्वाधिक बड़ी चुनौती - ताइवान का एकीकरण।
- प्रमुख समुद्री रास्तों, चोक प्वाइंट्स के पास अवस्थिति।

USA की भू राजनीति का प्रमुख केन्द्र —
- → चीन से निपटना → सैन्य तैनाती।
- खुफिया सूचनाएं आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright– Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के लिए महत्वपूर्ण है

① कृषि आपूर्तिकर्ता।

② निवेश स्रोत के रूप में महत्व।

③ चीन की पाकिस्तान और कश्मीर नीति के विरुद्ध भारत के लिए ताजिकिस्तान महत्वपूर्ण

④ सांस्कृतिक महत्व जैसे: बौद्ध धर्म।

समापन: ताजिकिस्तान का वैश्विक पटल पर आर्थिक व राजनीतिक महत्व है

7/15

⇒ उत्तर को अधिक स्पष्ट तथा व्यवस्थित लिखा जाए।
⇒ उत्तर में अपनी बातों को स्पष्ट करते हुए यथासंभव तथ्य, आंकड़े एवं उदाहरण का उल्लेख करें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation